कीर्तन की है रात | Mukesh Bagda

कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है
थाने कौल निभाने है
कीर्तन की है रात.....

दरबार सांवरिया ऐसो सज्यो प्यारो
दयालु आप को
सेवा में सांवरिया सगळा खडचा डींगे
हुकम बस आपको
सेवा में थारी म्हाने आज बिछ जाणो है
थाने कौल निभाने है
कीर्तन की है रात.....

कीर्तन की है त्यारी कीर्तन करा जमकर
प्रभु क्यों देर करो
वादों तेरो दातार कीर्तन में आने को
घणी क्यों देर करो
भजना सु थाने म्हाने आज रिझाणो है
थाने कौल निभाने है
कीर्तन की है रात.....

जो कुछ बण्यो महा सु अर्पण प्रभु सारो
प्रभु स्वीकार करो
नादान सु गलती होती ही आई है
प्रभु मत ध्यान धरो
नंदू सांवरिया थारो दास पुराणों है
थाने कौल निभाने है
कीर्तन की है रात.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%80%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a4-mukesh-bagda/